

32) समय पश्चात्तान् उपरोक्त
 है समय पक्षों से सम्बन्धित क
 प्रमाण कि वास्तविकता नहीं
 हो पाई। अतः पत्रावली पूर्वोक्तान्
 वान्ते बहल दिनांक 14/3/11) अर्पण
 है Piy

वकील फीकेन उपर पूर्वोक्तान् वान्ते बहल
 दिनांक 31/11/11) अर्पण है Piy

33) वकील फीकेन उपर बहल वकील वान्ते
 पत्रावली वान्ते दिनांक 30/11/11)
 अर्पण है Piy

30/11/11) वकील फीकेन उपर बहल उपरोक्तान्
 एवं पत्रावली का सम्बन्धित किताबान्।
 पत्रावली में उपरोक्तान् जमावन्दी कोशिका
 संख्या 2869-72 विवाहित आयुजीवत
 के प्राथीवत एवं उपरोक्तान् सहलाकेकर
 है तथा फलान् 936 उपरोक्तान् 18 की
 संख्या खरीदारी की है, जिसके लोक
Piy

सिद्ध (1500)

किबी मंडित व सर्वजनिक हुकम इत्यदि
 के लिए आम शहरा निकालना खोटे का
 की लहमारे एवं कीमत विपदा हुआ
 डाका विना जाने पा ही हुआ जा खरदा
 है। अतः के लिए प्राचीनता के कौड़ी इव
 नहीं है, इसलिये प्राचीनता रूपप्राचीनता
 के विरुद्ध डाकायी निषेधाज्ञा व्य दंडनीय
 माने के जाचिकी नहीं है।

कहां प्राचीनता पत्र प्राचीनता
 डाकायी निषेधाज्ञा वरदिये विना जसा
 है। जसावली के लाल हुकमा हीर नमका
 व कहे उद्य प्राचिक दकावरी

144